# अच्छा मित

## Good Friends

Mirgan

Traditional Story

# अच्छा मित

## Good Friends

Author: Jeeva Muthusamy
Illustrator & Voice: Teresa Antony

A joint production by Vidya Sagar and Chetana Trust

This book was made possible with the generous support from LatentView Analytics

Mirgan
India

http://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/
You may not use this work for commercial purposes. You may not make changes or build upon this work without permission. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

This book is an adaptation of the original, *நல்ல நண்பர்கள்*, Copyright © 2020, Chetana Charitable Trust Chennai www.chetana.org.in. Licensed under CC BY-NC-ND 4.0.

गोटक दिने, देवी आपन चो बालटी ने पानी
भरतो काजे लग चो लंदी थाने गेली।

मातर तायचो बालटी ने काना रली, आवरी पानी भरले, सबु बाटले बऊक मुराली।

देवी लंदी चो खंडी उपरे बसासिंग गागुक मुराली।

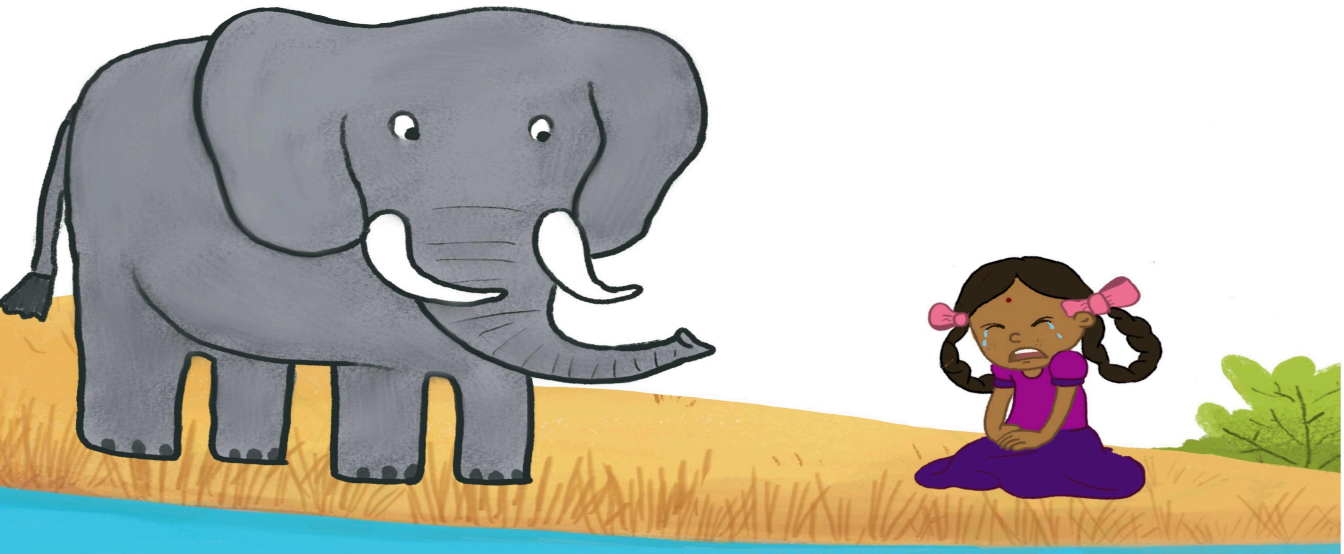

हुदलिदाय, गोटक हाती जोन लंदी थाने पानी पितो काजे इया रये, देवी के देकलो आवरी परचारलो,

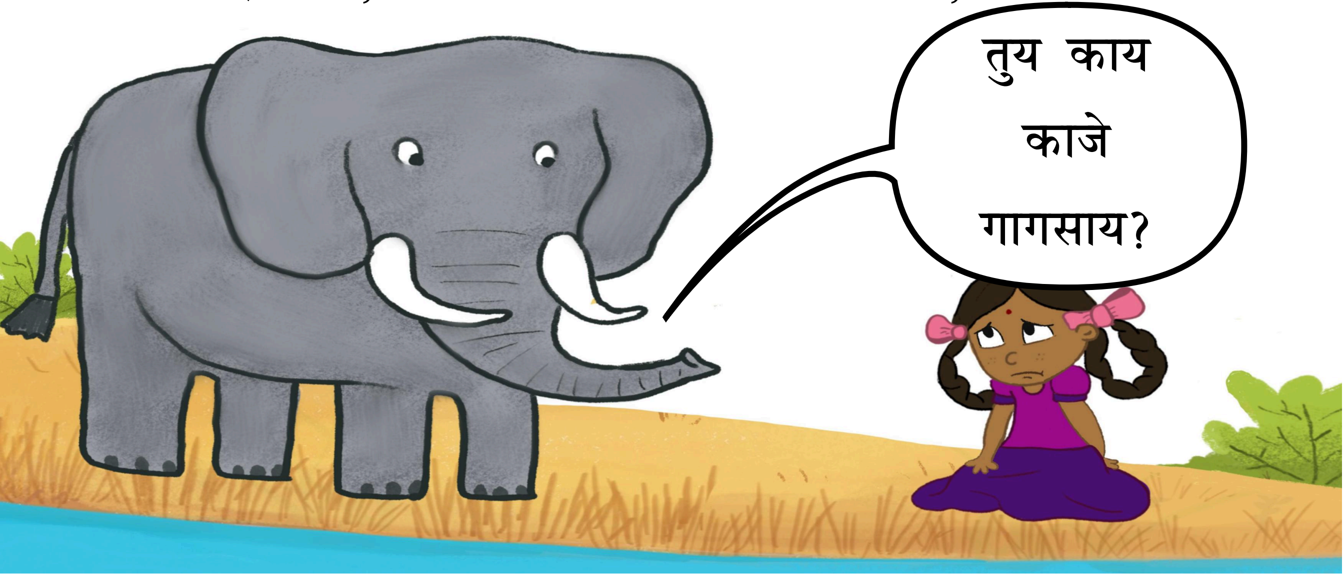

गागा गागा देवी बोलली,

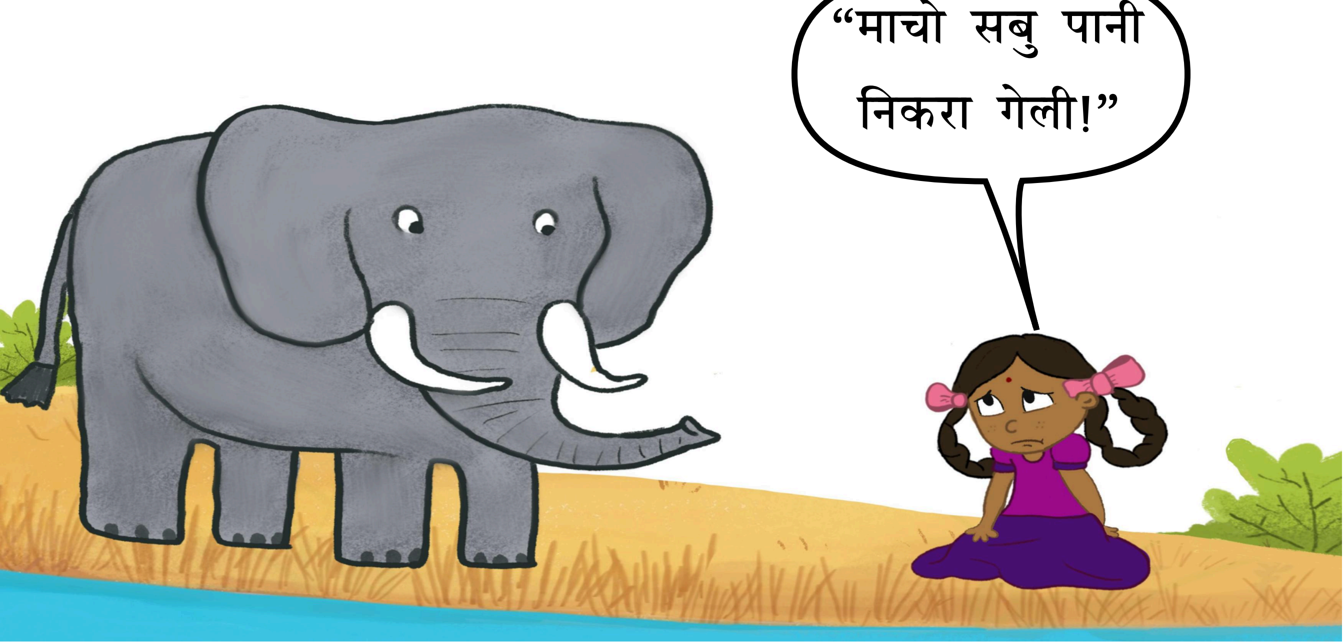

हाती पानी के आपन चो चोंडा थाने सोकलो।

हाती पानी के आपन चो चोंडा ने भरलो आवरी देवी चो घरे खेटसिंग, गोटक बालटी ने रोकालो।

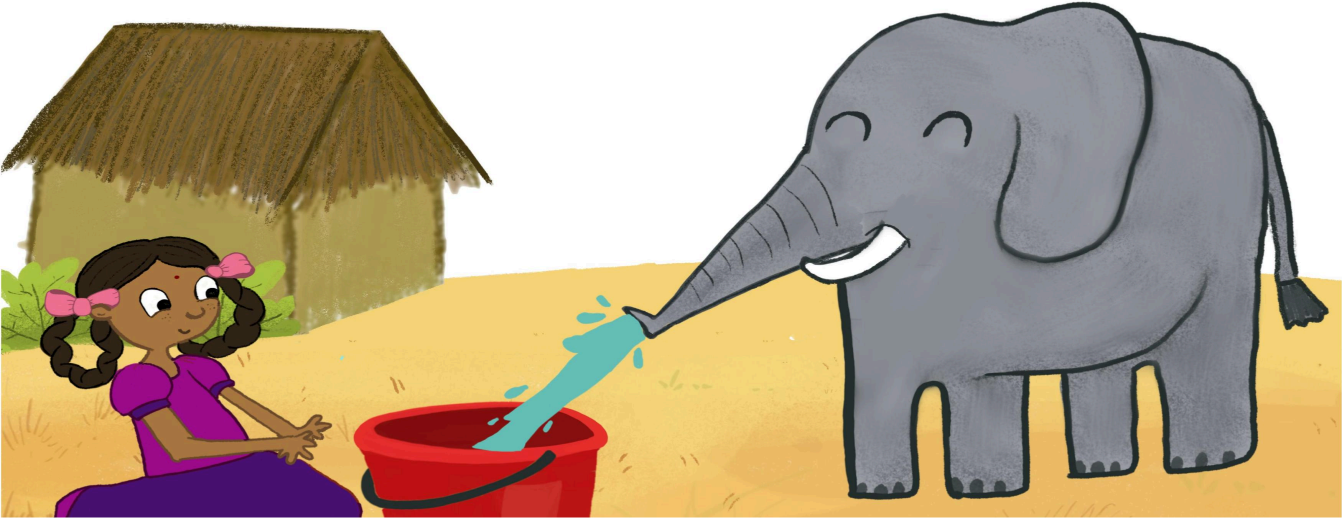

पाचे, तेमन दुनो अछा मित बना गेला आवरी सबु जगा संगे संगे जाते गेला।

अमदिया एक दुसर चो सायता करा।

आपन चो लग लगचो लोक के अछा मित

बनावा।

# परसन उतर

1. नोनी चो काय नाव रली?

2. बालटी कसन रली आवरी काय काजे पानी बऊक मुराली?

3. देवी के कोन ईयासिंग पचारलो?

4. हाती कसन करा देवी के सायता करलो?

5. ए कावनी ले काय सिकछा मिरुआय?

गरहा बेरा आमे हुनके कसन हल करतोर आय बला गियान चो जानकारी दितोर: ए ओबगो एक दुसर चो सायता करतो बारे ने गोटक पुस्तक नु आय- ए अछा ले उवाट डगरातो बारे ने पने आय। पिलामन के काना बालटी के ठीक करतो उवाट चो बारे ने बिचारतो काजे बोला। तिंके गोटक जुना पलास्टीक बालटी नोअले डबा थाने तिंचो भाबलो उवाट के करतो काजे दियास।

खुद चो समज के बनावा: पिलामन के देवी नोअले हाती बनतो काजे नाटक करुक दियास आवरी तिंके पुस्तक थाने सुना दितो बिती अलग अलग आवाज के करतो काजे बोला जसन की- गागतो, पानी सोकतो आवरी हुनके रोकातोर। तिंके ए सांगतो काजे बोला कि तेमन उजवा उजवा आवाज के निकरातो काजे खुद चो मुं , गाल आवरी छाती के कसन हलाला। कोनी कोनी पिलामन काजे पिलेट नोअले पाईप ले पानी पितोर मस्कुल होउआय। काकी काकी दात के बरस करतो बेरा थुकतो आवरी गुरगुचा करतो ने मस्कील होउआय। ए गोटक बड़ेया कावनी आय, जोन तिंके हाती होतो चो नाटक  करासिंग अभ्यास करतो ने सायता करुक सके। नाटक करतो बेरा आवरी पाचे जेबे तेमन दात के बरस करतो करते रदोत आवरी गुरगुचा करते रदोत नोअले पिलेट ले पिते रदोत तेबे सते पानी पानी के बावरा, तुमे तिंके पाचे हाती असन “एके उड़ावा” नोअले “एके सोकतो” चो सुरता कराउक सकास।

बिचारी देवी! तायचो बालटी चो सबु पानी छिंगड़ा गेली आवरी ताय खुबे परेसान होली। मातर तायचो किसमत ने गोटक नुआ मित लगे अछा उवाट रए। तुमे केबी बिचारुक नी सकास- एके जानतो काजे पढ़ा।

Made with Bloom®